

ईश्वर प्रार्थना

इस कविता में कवि मनुष्य को परीपकारी होने की शिक्षा देते हैं। वे कहते हैं कि मनुष्य का स्वभाव इतना मधुर और सरल होना चाहिए कि दुश्मन का मन पलट जाए। मनुष्य को धर्म को नहीं भूलना चाहिए और हर किसी को हम भगवान की तरह देखें। हमें हर किसी के साथ प्यार और मधुर रहना चाहिए और किसी का बुरा नहीं करना चाहिए।

प्रश्न - उत्तर

प्र० 1) कवि इस कविता में क्या वरदान माँग रहा है ?

कवि इस कविता में समाज के लिए परीपकारी बनने का वरदान माँगते हैं।

प्र० 2) कवि इस कविता में जीव में किसका रूप देखना चाहते हैं ?

कवि हर जीव में भगवान की देखना चाहते हैं। यह करने से हम हर किसी का सम्मान करें।

Date _____
Page _____

(प्र० ३) कवि के अनुसार हमारा स्वभाव कैसा होना चाहिए ?

कवि के अनुसार हमारा स्वभाव शांत और मधुर होना चाहिए जिससे दुश्मन का मन पलट जाए।